Ballia Sandesh

ई-पत्रिका

Volume-33

01-09-2018 To
30-09-2018

बलिया संदेश

स्वच्छ बलिया - स्वस्थ बलिया

श्री दिनेश कु० विश्वकर्मा

(अधिशाषी अधिकारी)

श्री अजय कुमार

(अध्यक्ष)

नगर पालिका परिषद, बलिया के नगरवासियों को सितम्बर 2018 के ई-पत्रिका बलिया संदेश में स्वागत है | *सितम्बर* माह में हुये विकास कार्यो को ई-पत्रिका बलिया संदेश के द्वारा आपसब को बताना चाहता हूँ | बलिया नगर पालिका प्रत्येक माह ई-पत्रिका बलिया संदेश के द्वारा नगर पालिका में हुये विकास कार्यो को आपसब के सामने लाने का प्रयास करता हूँ , जिससे बलिया नगर पालिका परिषद के विकास और नई योजनाओं से लाभान्वित हो सके | नगर पालिका परिषद बलिया का एक मात्र उद्देश्य नगर पालिका का विकास है | जिसमे बिना किसी भेद-भाव, सभी समुदायों के लोगो को एकसाथ लेकर आगे बढने का उद्देश्य है | जिसके लिए नगर पालिका परिषद बलिया के निवासियों को इसमें सहयोग महत्वपूर्ण है, और नगर पालिका इसका उम्मीद करता है | नगरवासियों से अपील है की नगर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में नगर पालिका की मदद करे | अपने आस-पास साफ-सुथरा रखे| कूड़ा-कचरा डस्टबिन में रखे , गन्दगी न फैलाये | आने वाला कल अच्छा हो इसके लिये आज बेहतर बनायें |

Mr. Dinesh Kumar Vishwakarma
(Executive Officer)

I am happy to present the September 2018 issue to all of you. A number of projects have been commissioned in the month of September. The former will help smoothen the flow of traffic, reduce the travel time of citizens, ease the congestion and reduce pollution on Nagar Palika Parishad Ballia's road. There have been a lot of lessons to learned and these insights will certainly stand in good stead with us in our endeavors in future. The one thing that stands out is the most active participation of citizens. We, the residence of the Nagar Palika Parishad Ballia respective of ages, castes, creeds, religions, localities have untidily participated in creation of Ballia's Swachh Nagar Palika Parishad proposal. As I look into the future with great expectation, it is this one aspect of the municipality which gives me the greatest hope. We in the Nagar Palika Parishad Ballia, would be very happy to receive your feedbacks on all matters that you feel are important.

Mr. Ajay Kumar
(Chairman)

I am delighted to present the tasks and issue of Ballia Nagar Palika by e-Patrika Ballia Sandesh in September 2018. Nagar Palika Parishad Ballia is grateful to the citizens who displayed tremendous enthusiasm and whole heartedly participated in numerous activities throughout this period. All of us should bear in mind that this is not end but a beginning of the exercise pertaining to development and Swachh Mission program. The coming times will surely be very hectic and eventful. Ballia promises to leave no room for complacency and will work even harder to achieve the targets. We solicit active participation from the citizens in our endeavor. We sincerely believe that decisions taken by Nagar Palika Parishad Ballia should benefit Nagar Palika Parishad Ballia and the citizens in the ultimate analysis. Many projects process in work in Nagar Palika Parishad Ballia for development our Nagar Palika and citizens. Thanks to all citizens of Nagar Palika Parishad Ballia for supporting to develop Ballia.

श्री कृष्णा जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

यशोदा नंदन, देवकी पुत्र भारतीय समाज में कृष्ण के नाम से सदियों से पूजे जा रहे हैं। तार्किकता के धरातल पर कृष्ण एक ऐसा एकांकी नायक हैं, जिसमें जीवन के सभी पक्ष विद्यमान है। कृष्ण वो किताब हैं जिससे हमें ऐसी कई शिक्षाएं मिलती हैं जो विपरीत परिस्थिति में भी सकारात्मक सोच को कायम रखने की सीख देती हैं। कृष्ण के जन्म से पहले ही उनकी मृत्यु का षड्यंत्र रचा जाना और कारावास जैसे नकारात्मक परिवेश में जन्म होना किसी त्रासदी से कम नही था । परन्तु विपरीत वातावरण के बावजूद नंदलाला , वासुदेव के पुत्र ने जीवन की सभी विधाओं को बहुत ही उत्साह से जिवंत किया है। श्री कृष्ण की संर्पूण जीवन कथा कई रूपों में दिखाई पड्ती है। नटवरनागर श्री कृष्ण उस संर्पूणता के परिचायक हैं जिसमें मनुष्य, देवता, योगीराज तथा संत आदि सभी के गुणं समाहित है। समस्त शक्तियों के अधिपति युवा कृष्ण महाभारत में कर्म पर ही विश्वास करते हैं। कृष्ण का मानवीय रूप महाभारत काल में स्पष्ट दिखाई देता है। गोकुल का ग्वाला, बिरज का कान्हा धर्म की रक्षा के लिए रिश्तों के मायाजाल से दूर मोह-माया के बंधनों से अलग है। कंस हो या कौरव पांडव, दोनो ही निकट के रिश्ते फिर भी कृष्ण ने इस बात का उदाहरण प्रस्तुत किया कि धर्म की रक्षा के लिए रिश्तों की बजाय कर्तव्य को महत्व देना आवश्यक है। ये कहना अतिश्योक्ति न होगी कि कर्म प्रधान गीता के उपदेशों को यदि हम व्यवहार में अपना लें तो हम सब की चेतना भी कृष्ण सम विकसित हो सकती है। कृष्ण का जीवन दो छोरों में बंधा है। एक ओर बांसुरी है, जिसमें सृजन का संगीत है, आनंद है, अमृत है और रास है। तो दूसरी ओर शंख है, जिसमें युद्ध की वेदना है, गरल है तथा निरसता है। ये विरोधाभास ये समझाते हैं कि सुख है तो दुःख भी है। यशोदा नंदन की कथा किसी द्वापर की कथा नही है, किसी ईश्वर का आख्यान नही है और ना ही किसी अवतार की लीला। वो तो यमुना के मैदान में बसने वाली भावात्मक रुह की पहचान है। यशोदा का नटखट लाल है तो कहीं द्रोपदी का रक्षक, गोपियों का मनमोहन तो कहीं सुदामा का मित्र। हर रिश्ते में रंगे कृष्ण का जीवन नवरस में समाया हुआ है। माखन चोर, नंदकिशोर के जन्म दिवस पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन, खेल-खेल में समझा जाता है कि किस तरह स्वयं को संतुलित रखते हुए लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है; क्योंकि संतुलित और एकाग्रता का अभ्यास ही सुखमय जीवन का आधार है। सृजन के अधिपति, चक्रधारी मधुसूदन का जन्मदिवस उत्सव के रूप में मनाकर हम सभी में उत्साह का संचार होता है और जीवन के प्रति सृजन का नजरिया जीवन को खुशनुमा बना देता है।

मुहर्रम पर्व की शुरुआत

यह समय सन 60 हिजरी का था | कर्बला जिसे सीरिया के नाम से जाना जाता था | वहाँ यजीद शहंशाह बनाना चाहता था, जिसके लिए उसने आवाम में खौफ फैलाना शुरू कर दिया | सभी को अपने सामने गुलाम बनाने के लिए यातनायें दी | यजीद पुरे अरब पर अपना रुतबा चाहता था | लेकिन उसके तानाशाह के आगे हज़रत मुहम्मद का वारिस इमाम हुसैन और उनके भाइयों ने घुटने नही टेके और जमकर मुकाबला किया | बीवी बच्चों की हिफाजत देने के लिए इमाम हुसैन मदीना से इराक की तरफ जा रहे थे | ब ही यजीद ने उनपर हमला कर दिया | वो जगह एक रेगिस्तान थी, जिसमे पानी के लिए एक नदी थी जिस पर यजीद ने अपने सैनिकों को तैनात कर दिया था | फिर भी इमाम और उनके भाइयों ने डटकर मुकाबला किया | वे लगभग 72 थे, जिन्होंने 8000 सैनिकों की फ़ौज को दाते तले चने चबवा दिए थे | ऐसा मुकाबला दिया की दुश्मन भी तारीफ करने लगे | लेकिन वो जीत नही सकते थे | वे सभी तो कुर्बान होने आये थे | दर्द, तकलीफ सहकर भूखे प्यासे रहकर भी लड़ना स्वीकार किया और यह लड़ाई मुहर्रम 2 से 6 तक चली आखिरी दिन इमाम ने अपने सभी साथियों को कब्र मे सुलाया | लेकिन खुद अकेले अंत तक लड़ते रहे | यजीद के पास कोई तरकीब नही बची और उनके लिए इमाम को मरना ना मुमकिन सा हो गया | मुहर्रम के दसवे दिन जब इमाम नमाज अदा कर रहे थे, तब दुश्मनों ने उन्हें धोखा से मारा | इस तरह से यजीद इमाम को मार पाया, लेकिन हौसलों के साथ मरकर भी इमाम जीत का हक़दार हुए और शहीद कहलाया | तख्तो ताज जीत कर भी ये लड़ाई यजीद के लिए हार एक बड़ी हार थी |

उस दिन से आज तक मुहर्रम के महीने को शहीद की शहादत के रूप में याद करते है |

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले मे शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

मैं नहीं तू , तू नहीं मैं
सदा करते है तू तू मैं मैं
करो कोई भी अच्छा काम
बढ़ाये जो भारत देश का नाम
देश की धरोहर पर है सबका अधिकार
फिर क्यूँ है इसकी सफाई से इनकार
नहीं है कोई बहुत बड़ा उपकार
बस करना है जीवन में बदलाव
शहर को मानकर घर अपना
निर्मल स्वच्छ है उसे भी रखना
कूड़े दान में फेंको कूड़ा
हर जगह न फेंको पुड़ा
थूकने को नहीं है धरती मैया
बदलो अपनी आदत भैया
न करो किसी पड़ोसी का इंतजार
देश है सबका बढ़ाओ स्वच्छता अभियान

<u>स्वच्छ भारत मिशन बलिया</u>

श्री दिनेश कु० विश्वकर्मा
(अधिशाषी अधिकारी)

श्री अजय कुमार
(अध्यक्ष)

Contact Us

: www.fageosystems.in

: info@fageosystems.in

Tel/Fax : 01204349756